
.. shrIviShNuShaTpadI ..

॥ श्रीविष्णुषट्पदी ॥

Document Information

Text title : viShNuShaTpadI

File name : vishnu6padi.itx

Category : ShaTpadI

Location : doc_vishhnu

Language : Sanskrit

Subject : philosophy/hinduism/religion

Transliterated by : Sorin Suciu aka SeSe at sorins at hotmail.com

Proofread by : Sorin Suciu aka SeSe at sorins at hotmail.com

Latest update : August 28, 2010

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

Site access : <http://sanskritdocuments.org>

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

August 3, 2016

sanskritdocuments.org

॥ श्रीविष्णुषट्पदी ॥

अविनयमपनय विष्णो दमय मनः शमय विषयमृगतृष्णाम् ।

भूतदयां विस्तारय तारय संसारसागरतः ॥ १ ॥

दिव्यधुनीमकरन्दे परिमलपरिभोगसच्चिदानन्दे ।

श्रीपतिपदारविन्दे भवभयखेदच्छिदे वन्दे ॥ २ ॥

सत्यपि भेदापगमे नाथ तवाहं न मामकीनस्त्वम् ।

सामुद्रो हि तरङ्गः क्वचन समुद्रो न तारङ्गः ॥ ३ ॥

उद्धृतनग नगाभिदनुज दनुजकुलामित्र मित्रशशिदृष्टे ।

दृष्टे भवति प्रभवति न भवति किं भवतिरस्कारः ॥ ४ ॥

मत्स्यादिभिरवतारैरवतारवताऽवता सदा वसुधाम् ।

परमेश्वर परिपाल्यो भवता भवतापभीतोऽहम् ॥ ५ ॥

दामोदर गुणमन्दिर सुन्दरवदनारविन्द गोविन्द ।

भवजलधिमथनमन्दर परमं दरमपनय त्वं मे ॥ ६ ॥

नारायण करुणामय शरणं करवाणि तावकौ चरणौ ।

इति षट्पदी मदीये वदनसरोजे सदा वसतु ॥ ७ ॥

॥ इति श्रीमद् शङ्कराचार्यविरचितं विष्णुषट्पदीस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

Encoded and proofread by Sorin Suciú aka SeSe at sorins at hotmail.com.

.. shrIviShNuShaTpadI ..

was typeset on August 3, 2016

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

